कमाल की हसीना हूँ मैं-43

“उसका लौड़ा तो इतना लंबा-चौड़ा था ही बल्कि वो खुद भी कितना मजबूत और ताकतवर था। इस तरह उल्टी लटके हुए उसका लौड़ा चूसते हुए और उससे अपनी चूत और गाँड चटवाते हुए मैं उत्तेजना से पागल हो गई। उसका लौड़ा भी बिजली के खंबे की तरह एकदम सख्त होकर सीधा खड़ा था। उसने फिर […] ...”

Story By: Achyut Thaker (achyut505@yahoo.in)
Posted: Tuesday, June 4th, 2013
Categories: कोई मिल गया
Online version: कमाल की हसीना हूँ मैं-43

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कमाल की हसीना हूँ मैं-43

उसका लौड़ा तो इतना लंबा-चौड़ा था ही बल्कि वो खुद भी कितना मजबूत और ताकतवर था। इस तरह उल्टी लटके हुए उसका लौड़ा चूसते हुए और उससे अपनी चूत और गाँड चटवाते हुए मैं उत्तेजना से पागल हो गई।

उसका लौड़ा भी बिजली के खंबे की तरह एकदम सख्त होकर सीधा खड़ा था। उसने फिर से मुझे घुमा कर सीधा कर दिया।

“ओहह ! कम एंड फक मी विद दैट बिग एंग्री कॉक !” मैं बहुत ही शरारत भरे अंदाज़ में बोली। (ओह, अब मुझे इस विशाल और गुस्सैल लौड़े से चोद दो !)

उसने भी देर नहीं की और आगे बढ़ कर खड़े-खड़े ही अपना अज़ीम लौड़ा मेरी चूत में ठाँस दिया और दनादन पागलों की तरह चोदने लगा। मेरी सिसकियाँ, सिसकारियाँ और चीखें फिर से उस कमरे में गूँजने लगीं।

चोदते-चोदते उसने मेरे घुटने के नीचे अपनी बाँह डाल कर मेरी बाँई टाँग ऊपर उठा ली थी। वो जानवरों की तरह इतनी जोर-जोर से शॉट मारते हुए मेरी चूत में लौड़ा चोद रहा था कि दीवार के सहारे भी मैं ठीक से खड़ी नहीं रह पा रही थी। उसके जोरदार झटके संभालती हुई मैं अपने दांये पैर की सैंडल की पाँच इंच ऊँची हील कार्पेट में गड़ाये बड़ी मुश्किल से खड़े रहने की कोशिश कर रही थी, लेकिन मेरी सैंडल फिर भी बेकाबू होकर दाँये-बांये हिल रही थी। उसके झटकों से मेरे मम्मे भी बुरी तरह उछल रहे थे।

करीब दस-बारह मिनट तक वो जानवर की तरह मेरी चूत में लौड़ा पेलता रहा। मेरी चूत ने तो इस दौरान दो-तीन बार पानी भी छोड़ दिया था। एक वक्त तो ऐसा आया जब उसके

धक्के इस कदर वहशियाना हो गये कि मुझे अपना पैर मोड़ कर पीछे से सैंडल की हील भी फर्श से ऊपर उठानी पड़ी।

अब मैं अपने हाई हील सैंडल के आगे की नोक पर खड़ी थी। क्योंकि उसका लौड़ा मेरी चूत की नई-नई गहराइयों में चोट कर रहा था और मैं मस्ती में फड़फड़ाती हुई चीखे जा रही थी।

ओरिजी का स्टैमिना कमाल का था। काफी देर चोदने के बाद जब उसके लंड ने मेरी सुरंग में वीर्य छोड़ा तो वो भी इतनी प्रेशर से मेरे अंदर छूटा जैसे कि चूत में पानी का कोई पाइप फट पड़ा हो।

मैं हाँफते हुए सोफे पर बैठ गई और टाँगें उठा कर सामने की मेज पर फैला दीं। हम दोनों ने एक-एक सिगरेट पी और जब ओरिजी कपड़े पहनने लगा तो मुझे पहली बार ख्याल आया कि मेरे पास तो कपड़े ही नहीं थे। पिछली शाम मैं नशे में बिल्कुल नंगी ही उनके साथ इस कमरे में आई थी।

मैंने ओरिजी को अपनी मुश्किल बताई तो वो बेपरवाही से हंसते हुए बोला, “बोल्ड एंड ब्यूटीफुल वुमन लाइक यू शुड नॉट वरी अबाऊट क्लोद्स ! यू शुड फ्लॉन्ट योर सैक्सी बॉडी !” (तुम जैसी सुन्दर और हौसले वाली लड़की को कपड़ों की चिन्ता नहीं करनी चाहिए ! तुम्हें तो अपने कामुक बदन का प्रदर्शन करना चाहिए !)

अपनी तारीफ सुनकर मेरे चेहरे पर लाली आ गई। वैसे तो कल शाम को मैं नंगी ही उन दोनों के साथ यहाँ आई थी लेकिन अब दिन के समय नंगी अपने कमरे तक जाना और वो भी अकेले ! मुझे झिझक महसूस हो रही थी। क्या इस वक्त होटल में इस तरह खुलेआम नंगे घूमना जायज़ होगा।

मैंने ओरिजी से कहा तो वो फिर से मुझे उकसाते हुए बोला, “डोन्ट बी शॉय ! यू आर नॉट गोइंग टू द कॉन्फ्रेंस हॉल… जस्ट गोइंग टू योर रूम ! नो वन विल से एनिथिंग !” (अब शर्माओ मत ! तुम कॉन्फ्रेंस हाल में तो जा नहीं रही ! तुम तो अपने कमरे में जा रही हो, कोई कुछ नहीं कहेगा !)

उसकी बातों से मुझे थोड़ा हौंसला तो हुआ। हालांकि ग्यारहवीं मंज़िल से लिफ्ट पकड़ कर चौबीसवीं मंज़िल तक इस तरह नंगे जाने के ख्याल से मेरे अंदर मस्ती भरी गुदगुदाहट सी हो रही थी लेकिन थोड़ी शरम और डर सा भी था। फिर मैंने हिम्मत जुटा कर इस तजुर्बे का मज़ा लेने का फैसला किया।

सिर्फ हाई-हील वाले सैंडल पहने बिल्कुल नंगी मैं कॉरीडर में चलते हुए और फिर लिफ्ट पकड़ कर अपने कमरे तक आई जो चौबीसवीं मंज़िल पर था। नशे में मेरे कदम लड़खड़ा रहे थे। तीन हब्शियों के लौड़ों से पूरी चुदने की वजह से मेरी गाँड और चूत अभी भी फैली हुई थीं और मेरी घमासान चुदाई की पूरी कहानी बयान कर रही थी।

पहले कॉरीडोर में एक कपल था जो धीरे से हॉय कहते हुए गुज़र गया। जब मैं लिफ्ट में चढ़ी तो तो दो औरतें पहले से मौजूद थीं जो फॉर्मल ड्रेस में थीं। मुझे देख कर उनके चेहरे पर शरारती मुस्कुराहट फैल गई। मैं भी हैलो बोलते हुए वैसे ही मुस्कुरा दी।

“यू हैव वेरी सैक्सी बॉडी !” एक ने तारीफ की और दूसरी ने पूछा, “लुक्स लाइक यू हैड लॉट ऑफ फन लास्ट नाइट !” (तुम्हारा बदन बहुत खूबसूरत है, लगता है पिछली रात खूब मस्ती की !)

पब्लिक में इस तरह नंगे होने की उत्तेजना में मेरा दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। मेरे गाल सुर्ख लाल हो रहे थे और वहीं मेरी चूत में खुजली होने लगी थी। लिफ्ट से उतर कर जब मैं अपने कमरे की तरफ जा रही थी तो होटल का एक वेटर मिला जो खाने की ट्रॉली ले

कर जा रहा था। वो भी मुझे देख कर बेशर्मी से मुस्कुराया और एक जोरदार सीटी बजा दी। वैसे अगर वो मेरे साथ कुछ करना चाहता तो उस वक्त मैं मना नहीं कर पाती।

मेरे पास तो अपने कमरे को खोलने के लिये इलेकट्रॉनिक की-कार्ड था नहीं तो मैंने ससुर जी के कमरे को नॉक किया। नॉक करते हुए मैं सोच ही रही थी कि मुझे इस हालत में देख कर ससुर जी का क्या रियेक्शन होगा… मैं उनसे क्या कहूँगी ?

मैंने सोचा कि जरूरत पड़ी तो कह दूँगी कि दो अंजान आदमियों ने ज़बरदस्ती मेरे साथ रात भर चोदन किया। लेकिन इसकी नौबत ही नहीं आई क्योंकि ससुर जी तो कमरे में मौजूद ही नहीं थे। जब दो-तीन मिनट बाद भी दरवाज़ा नहीं खुला तो मेरे होश उड़ गये कि अब मैं कहाँ जाऊँ।

ससुर जी तो नीचे कॉन्फ्रेंस में बिज़ी होंगे और मैं वहाँ तो नंगी नहीं जा सकती थी। तभी मुझे उस वेटर का ख्याल आया। मुझे अपने ही फ्लोर पर दूसरे कॉरीडोर के आखिर में एक कमरे के बाहर उसकी ट्रॉली दिख गई।

मैंने उससे कहा तो उसने अपने इलेकट्रॉनिक की-कार्ड से मेरा कमरा खोल कर दिया। मैं अंदर घुसी तो वो भी मेरे पीछे-पीछे अंदर आ गया।

“व्हॉट…व्हॉट डू यू वान्ट ?” मैंने धड़कते दिल से पूछा। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

मेरी चूत में मस्ती की लहरें उठने लगीं। पता नहीं मेरे अंदर ये कैसी आग थी जो बुझ ही नहीं रही थी। रात भर तीन-तीन लौड़ों से घंटों चुदने के बाद भी मेरा मन नहीं भरा था। मैं फिर चुदने के लिये बेचैन हो रही थी।

“मैडम… ऑय, ऑय वाज़ चेकिंग… इफ़..इफ़ यू नीड एनीथिंग !” वो बेशर्मी से मेरे नंगे

जिस्म को घूरते हुए मुस्कुरा रहा था।

उसकी उम्र मुश्किल से अठारह-उन्नीस साल रही होगी। (मैडम, मैं पूछना चाहता हूँ कि आपको किसी चीज की जरुरत है क्या ?)

“नो… नो… थै-थैंक यू !” मैं हकलाते हुए बोली।

लेकिन वो हिला नहीं और इतने में अपनी पैंट की ज़िप खोलकर अपना लौड़ा बाहर निकाल लिया।

“आर यू श्योर यू डोंट नीड एनीथिंग !” वो मुस्कुराते हुए बोला। (क्या आपको सच में किसी चीज की जरूरत नहीं ?)

उसका लंड हैमिल्टन के लंड की तरह बिल्कुल गोरा-चिट्टा था और उसका सुपाड़ा फूलने से लाल हो गया था।

“ऑय… उह… ऑय डोंट नो…” मैं हकलाने लगी, “मे बी… ऑय… योर डिक इज़ सो..सो.. !”

मेरी नज़रें उसके लंड पर ही अटकी थीं। हालांकि साइज़ में ये लौड़ा उन हब्शियों के लौड़े के मुकाबले का तो नहीं था लेकिन फिर भी काफी तगड़ा था। मेरे मुँह में पानी भर आया। उसने अपनी बेल्ट खोलकर अपनी पैंट और नीचे खिसका दी। वासना भरी आँखों से उसके लौड़े को घूरते हुए मैंने अपने होंठों पर जीभ फिराई और घुटने मोड़ कर उसकी टाँगों के बीच में बैठ गई।

फिर तो अगले आधे घंटे में मैंने पहले तो उसका फिरंगी लौड़ा चूस- चूस कर उसका वीर्य पिया और उसके बाद जमकर उसके जवान लौड़े से अपनी चूत चुदवाई।

उसके जाने के बाद मैं दरवाज़ा बंद करने लगी तो वहीं मुझे एक लिफाफा मिला। उसमें ससुरजी का पैगाम था कि अचानक उन्हें हैमिलटन के साथ एक दिन के लिये फ्रेंकफर्ट जाना पड़ रहा है और वो अगले दिन दोपहर तक लौट आयेंगे।

मुझे कॉन्फ्रेंस में कुछ जरूरी सेमीनार अटेंड करने के लिये भी हिदायत दी थी और साथ ही लिखा था कि मैं साशा के साथ एन्जॉय करूँ।

घंटे भर बाद ही एक सेमीनार था जो ससुर जी ने मुझे अटेंड करने को कहा था। मेरा मूड तो नहीं था पर सेमीनार में जाना भी जरूरी था। मैं एक बार फिर से नहाई और ट्राऊज़र और शर्ट और हाई हील के सैंडल की दूसरी जोड़ी पहन कर सेमिनार में पहुँच गई।

मेरे कदमों में अभी भी लड़खड़ाहट सी थी क्योंकि मेरा नशा उतरा नहीं था। सेमिनार करीब दो घंटे चला। मेरा ध्यान सेमिनार में ज्यादा था नहीं। खुशकिस्मती से वहाँ स्नैक्स का इंतज़ाम था। पहले तो मैंने पेट भर कर स्नैक्स खाये क्योंकि रात से तो सिर्फ शराब और उन हब्शियों का वीर्य और पेशाब के अलावा कुछ भी पेट में गया नहीं था। ड्रिंक्स का भी इंतज़ाम था पर मैं अपने ऊपर काबू रखा और सिर्फ मिनरल वाटर ही पिया।

सेमिनार के दौरान ससुर जी के लिये थोड़े बहुत नोट्स लिये। ज्यादा वक्त तो मैं ऊँघ ही रही थी और पिछली रात की चुदाई बारे में ही सोच रही थी।

कहानी जारी रहेगी।

Other stories you may be interested in

बड़े लंड से दो चूत चोदने का मजा-1

दोस्तो, मेरा नाम करीम है और मैं गुजरात का रहने वाला हूँ. आज मैं आपको बिल्कुल सच्ची कहानी सुनाने वाला हूँ. यह बात 4 महीने पहले की है, जब मैंने एक ऐप डाउनलंड की थी, जिसमें हम जिससे चाहें, उससे […]
Full Story >>>

ठंडी रात में बस में मिली चूत की गर्मी

नमस्ते दोस्तो, मैं राजीव खंडेलवाल जालना महाराष्ट्र में रहता हूँ. मेरी उम्र 40 साल है और शादीशुदा हूँ. मेरी हाइट 5 फुट 3 इंच और हथियार 6 इंच का है. मेरी सेक्स लाइफ अच्छी चल रही है. आज मैं अपने […]
Full Story >>>

वासना भरी भाभी की चूत की चुदाई

दोस्तो, कैसे हो आप सब ? मेरे ख्याल से सब ठीक चल रहा होगा. लंड वालों को चूत और चूत वालियों को लंड भी बराबर मिल रहे होंगे. मैं रूतुल, सूरत से हूँ. कुछ दिन पहले हमारे शहर में सीएनजी वालों […]
Full Story >>>

गाँव में चुदासी चूत की खुजली मिटायी

दोस्तो, मेरा नाम दिव्या है और मैं अहमदाबाद गुजरात की रहने वाली हूँ. मैं अट्ठाईस साल की हूँ. मेरा बदन बहुत खूबसूरत है. मेरा फिगर 34-30-36 का है. मेरी शादी हुए एक साल हो गया है. पति दूसरे शहर में […]
Full Story >>>

दोस्त की गर्लफ्रेंड ने चूत चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम डीके है. यह कहानी मेरे दोस्त सोहन और उसकी गर्लफ्रेंड हेमा की है. मेरे दोस्त सोहन की स्टेशनरी की शॉप गर्ल्स कॉलेज के पास है. एक लड़की हेमा उस गर्ल्स कॉलेज में पढ़ती थी. इसी […]
Full Story >>>